मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD–03

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.डी.–03 : उपन्यास एवं कहानी

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. " 'गोदान' उपन्यास की धनिया, होरी की पूरक मात्र है, या उसका स्वतंत्र व्यक्तित्व भी है।" विचार कीजिए। 20

2. 'धरती धन न अपना' उपन्यास के आंचलिक वैशिष्ट्य पर विचार करते हुए, ज्ञानो के जीवन की त्रासदी एवं उनकी चारित्रिक विलक्षणता को रेखांकित कीजिए। 20

3. 'सूखा बरगद' उपन्यास के कथ्य की विवेचना कीजिए। 20

4. 'मैला आँचल' की कथा भाषा पर विचार कीजिए। 20

5. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास में अभिव्यक्त जीवन-दृष्टि की विवेचना कीजिए। 20

6. मध्यवर्गीय व्यक्ति की मानसिकता के दर्पण के रूप में 'चीफ की दावत' कहानी की व्याख्या कीजिए। 20

7. 'भोलाराम का जीव' कहानी की समीक्षा कीजिए। 20

8. नई कहानी के संदर्भ में 'एक दिन का मेहमान' कहानी का विश्लेषण कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 10 = 20$

(क) 'रोज' कहानी में स्त्री की सामाजिक स्थिति

(ख) 'पिता' कहानी में पारिवारिक सम्बन्धों के बदलते स्वरूप

(ग) 'मैला आँचल' में अभिव्यक्त राजनीतिक चेतना का स्वरूप

(घ) दलित आन्दोलन और दलित साहित्य का सम्बन्ध

× × × × ×